भजन

तर्ज– मिलती है जिन्दगी में

मिलती है जिन्दगी में ये रातें कभी कभी
होती है राजश्यामा से बातें कभी कभी

1–मिलते नही है रोज यह गुलशन खिले हुए
खिलती है ऐसी चांदनी रातें कभी कभी

2–गर है तमन्ना दीद की महबूब के लिए
होती है अश्क बार ये आंखें कभी कभी

3–सजदे में सर झुकाने की फुरसत तुझे कहां
लगती है दिल में प्यार की घातें कभी कभी

4–कितनी तूं खुशनसीब है तुझे साथ मिल गया
निसबत से होती है मुलाकाते कभी कभी